## पंजीकरण फार्म

नाम:_____

_____

पदनाम:_____

_____

विश्वविद्यालय / संस्थान / कालेज:_____

_____

_____

पूर्ण पत्र व्यवहार पता:

_____

_____

ई.मेल:_____

फोन / मोबाइल न0:_____

शोध पत्र शीर्षक _____

_____

_____

लेखक:_____

उप–लेखक:_____

पंजीकरण शुल्क विवरण:

शुल्क:_____ दिनांक:____/____/2025

**कैश/ ऑन लाइन**

(a) रसीद क्रमांक.:

(b) ऑन लाइन ट्रांजेक्शन आई.डी. न0.:

**प्रतिभागी हस्ताक्षर**

## प्रबन्धकारिणी समिति

**अध्यक्ष**
**प्रो. हरिशंकर उपाध्याय**
इलाहाबाद विश्वविद्यालय,
प्रयागराज, उ.प्र..

**उपाध्यक्ष**
**डॉ. सुशील तिवारी**
डी.डी.यू. विश्वविद्यालय,
गोरखपुर, उ.प्र..

**उपाध्यक्ष**
**प्रो. ऋषिकांत पाण्डेय**
इलाहाबाद विश्वविद्यालय,
प्रयागराज, उ.प्र.

**महासचिव**
**प्रो. नितीश दूबे**
डी.ए.वी. कॉलेज
कानपुर विश्वविद्यालय, उ.प्र.

**मंत्री**
**प्रो. प्रबुद्ध मिश्र**
आई.जी.एन.टी.यू., म.प्र.

**मंत्री**
**डॉ. प्रशान्त शुक्ल**
लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उ.प्र.

**कोषाध्यक्ष**
**प्रो. शिवभानु सिंह**
इ.सी.सी., प्रयागराज, उ.प्र.

**विशिष्ट सदस्य/संरक्षक**
**प्रो. सभाजीत मिश्र**
दी.द.उ. विश्वविद्यालय गोरखपुर, उ.प्र.

## स्थानीय आयोजन समिति

**प्रो. (डॉ0) विनोद मोहन मिश्र**
प्राचार्य
बुद्ध पी0 जी0 कॉलेज, कुशीनगर,
कुशीनगर, उ0 प्र0, 274403
#8299481415

संस्थापना वर्ष 1975 पंजीकरण 1917

मूल संस्थापक स्व. प्रोफेसर संगम लाल पाण्डेय

# दर्शन परिषद


दर्शनशास्त्र विभाग - इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, उ.प्र. 211002
पत्र व्यवहार : 13E/11A राजीव नगर, तेलियरगंज, प्रयागराज, 211004
Email philosophy.hsu111@gmail.com #
9415646450, 7651894902


## दर्शन–परिषद (उत्तर भारत)

## 39 वाँ अधिवेशन

### मुख्य विषय

### भारतीय ज्ञान परंपरा एवं कुम्भ

**INDIAN KNOWLEDGE SYSTEM & KUMBH**

## सूचना एवं आमंत्रण

महोदय / महोदया,

दर्शन–परिषद (उत्तर भारत दर्शन–परिषद) का 39वाँ अधिवेशन बुद्ध पी जी कॉलेज कुशीनगर, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में दिनांक 28–30 मार्च, 2025 ई. (विक्रम संवत 2081) तक होना प्रस्तावित है। इसमें आप सादर आमंत्रित हैं। अधिवेशन में भाग लेने के लिए सुधी प्रतिभागियों को परिषद के आधिकारिक वाट्सएप ग्रुप के माध्यम से (15मार्च 2025) तक जानकारी देना वांछित है।

**प्रो.. सुशील तिवारी**
(उपाध्यक्ष)
9415245707

**प्रो. नितीश दूबे**
(महासचिव)
9129214288

WhatsApp Group Link:
https://chat.whatsapp.com/CtBYWNlKlM89UBtJ6ZvzjW

*अधिवेशन के सम्बन्ध में:-*

## अधिवेशन में आयोजित कार्यक्रमों की सूची

**दिनांक 28 मार्च 2025 ई. प्रातः 11 बजे**

39वें अधिवेशन का उद्घाटन

**विशिष्ट व्याख्यान मालाएं:**

1.प्रो संगम लाल पाण्डेय स्मृति व्याख्यान – प्रो. डी. एन. यादव, डी.डी.यू. गोरखपुर, उ.प्र.।

2.देवात्मव्याख्यान– प्रो. प्रबुद्ध मिश्र, सेन्ट्रल युनिवर्सिटी–अमरकंटक, म.प्र.।

3.योग विज्ञानी महराज स्मृति व्याख्याान – प्रो.राजेश कुमार झां, बी.एच.यू., उ.प्र.।

4.प्रो0 देवकीनंदन द्विवेदी स्मृति व्याख्यान – प्रो संजय शुक्ल, ई.सी.सी. प्रयागराज, उ.प्र.।

5.प्रो0 रामलाल सिंह स्मृति व्याख्यान – प्रो शिवभानु सिंह, ई.सी.सी. प्रयागराज, उ.प्र.।

**सायंकाल :**

दर्शन परिषद की कार्यकारिणी और सामान्य सभा की बैठक

**दिनांक 29 मार्च, 2025ई.**

तकनीकी सत्र

**दिनांक 30 मार्च, 2025ई.**

1. शोध पत्र वाचन सत्र
2. समापन समारोह (Veledicotory)

**नोट :**

1. दर्शन परिषद की कार्यकारिणी और सामान्य सभा के निर्णयानुसार विगत सत्र की भांति शोधार्थियों तथा युवा अध्यापकों के द्वारा प्रस्तुत शोध पत्रों के मूल्यांकन के आधार पर पुरस्कृत किया जायेगा।
2. ईमेल : parishaddarshan@gmail.com पर दिनांक 5 मार्च तक शोध पत्र उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
3. **शोध पत्र हेतु निर्देश**
   - i. शब्द सीमा 3000 से 5000 शब्द।
   - ii. APA पद्धति का अनुगमन करें।
   - iii. लेख के साथ एब्सट्रैक्ट संलग्न करें।
   - iv. प्लैगरिज्म नियमों का पालन करें

   चयनित शोध पत्र जर्नल संदर्शन में प्रकाशित किये जाएंगे।

## महत्वपूर्ण तिथियां

पंजीकरण की तिथि : **15 मार्च 2025**

पूर्ण शोध पत्र भेजने की तिथि : **15 मार्च 2025**

### सदस्यता शुल्क

| | |
|---|---|
| *व्यक्तिगत आजीवन सदस्यता* | 2000/– |
| *संस्थागत आजीवन सदस्यता* | 5000/– |

### पंजीकरण शुल्क:

| | |
|---|---|
| शैक्षिकविद्वान/प्राध्यापक: | 2000/– |
| शोध छात्र | 1500/– |
| विद्यार्थी | 500/– |

## एकांउट विवरण

**Ac : DARSHAN PARISHAD**
**Name of Bank : STATE BANK OF INDIA**
**Ac. N0. : 31531515267**
**IFSC : SBIN0001621**

### परिषद के बारें में:

दर्शन के क्षेत्र में नये मानक स्थापित कर रहा दर्शन परिषद उत्तर भारत, की स्थापना वर्ष 1975 ई0 में की गयी थी। परिषद के मूल संस्थापक स्व. प्रोफेसर संगम लाल पाण्डेय जी थे। पषिद दर्शनशास्त्र की समृद्धि के लिए अनुसंधान, प्रकाशन और विषय हेतु संसाधन विस्तार में एक सकारात्मक भूमिका निभा रहा है। परषिद ने शोध पत्रिका (जर्नल) संदर्शन द्वारा समकालीन दार्शनिक विमर्श को ऑफ लाईन और ऑन लाइन (www.sandarshan.in) प्रणाली के माध्यम से दार्शनिकों, प्राध्यापकों, शोधार्थियों और विद्यार्थियों को सहज उपलब्ध कराने का प्रबंध किया है। परिषद द्वारा सिम्पोजियम, सेमिनार, कांफ्रेस, प्रोजेक्ट, शैक्षणिक भ्रमण एवं पुरुस्कार जैसे कई तरह के उपयोगी, तकनीकी एवं प्रबंधन के कार्यों का संचालन होता है।

### कुशीनगर के बारे में

कुशीनगर का इतिहास अत्यन्त ही प्राचीन व गौरवशाली है। इसी स्थान पर महात्मा बुद्ध ने महापरिनिर्वाण प्राप्त किया था। चीनी यात्री ह्वेनसांग और फाहियान के यात्रा वृत्तातों में भी इसका उल्लेख मिलता है। वाल्मीकि रामायण के अनुसार यहां मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान राम के पुत्र कुश की राजधानी थी जिसके चलते इसे 'कुशावती' नाम से जाना गया। पालि साहित्य के ग्रंथ त्रिपिटक के अनुसार बौद्ध काल में यह स्थान सोलह महाजनपदों में से एक था। मल्ल राजाओं की यह राजधानी तब 'कुशीनारा' के नाम से जानी जाती थी। कुशीनगर में ही भगवान बुद्ध ने अपना अंतिम उपदेश देने के बाद महापरिनिर्वाण को प्राप्त किया था।

कुशीनगर उत्तर प्रदेश के उत्तरी–पूर्वी सीमान्त इलाके में गोरखपुर से 51 किलोमीटर पूर्व में राष्ट्रीय राजमार्ग 28 पर स्थित है। इसका जिला मुख्यालय पडरौना है जिसके नामकरण के सम्बन्ध में यह कहा जाता है कि भगवान राम के विवाह के उपरान्त पत्नी सीता व अन्य सगे–संबंधियों के साथ इसी रास्ते जनकपुर से अयोध्या लौटे थे। उनके पैरों से रमित धरती पहले पदरामा और बाद में पडरौना के नाम से जानी गई।

प्रमुख आकर्षण – मैत्रेय–बुद्ध, निर्वाण स्तूप, महानिर्वाण मंदिर, माथाकुंवर मंदिर, रामाभर स्तूप, आधुनिक स्तूप, बौद्ध संग्रहालय, मां भवानी देवी मंदिर।

आवागमन : वायु मार्ग– कुशीनगर अन्तरराष्ट्रीय विमानपत्तन। रेल मार्ग – देवरिया (35 किलोमीटर) गोरखपुर (53 किलोमीटर) रेलवे स्टेशन है। सड़क मार्ग – राष्ट्रीय राजमार्ग 28 इसे अन्य प्रमुख शहरों से जोड़ता है।